दोस्त की बीवी आयशा की चूत चुदाई

“दोस्तो, मेरा नाम आतिफ है, इंजीनियरिंग कर रहा हूँ और मैं लखनऊ का रहने वाला हूँ। मैं दिखने में स्मार्ट, गोरा और गुडलुकिंग हूँ। मेरी उम्र 22 साल है..

लड़कियों... [Continue Reading] ...”

Story By: (aatifkhan)
Posted: शनिवार, फ़रवरी 7th, 2015
Categories: भाभी की चुदाई
Online version: दोस्त की बीवी आयशा की चूत चुदाई

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

दोस्त की बीवी आयशा की चूत चुदाई

दोस्तो, मेरा नाम आतिफ है, इंजीनियरिंग कर रहा हूँ और मैं लखनऊ का रहने वाला हूँ।

मैं दिखने में स्मार्ट, गोरा और गुडलुकिंग हूँ।
मेरी उम्र 22 साल है.. लड़कियों से ज्यादा मुझे आंटी में मजा आता है।

अन्तर्वासना पर ये मेरी पहली कहानी है जो मेरे साथ कुछ दिन पहले बीती।

मेरा एक दोस्त है अब्दुल.. जिसकी एक साल पहले ही लव-मैरिज हुई थी। उसके घर वाले शादी के खिलाफ थे.. इसलिए वो दोनों अलग किराए के घर पर रहते थे।

मेरा दोस्ती की वजह से उसके घर आना-जाना लगा रहता था।

एक दिन अब्दुल का मेरे पास फ़ोन आया- यार आतिफ.. मैं कल दूसरे घर में शिफ्ट हो रहा हूँ.. तुम मेरी थोड़ी हेल्प कर देना.. मैं अकेला सब नहीं कर पाऊँगा।

मैंने दोस्ती के नाते ‘हाँ’ कर दी।

अगले दिन मैं अब्दुल के घर गया तो अब्दुल पहले से ही काम में लगा हुआ था।

मैं भी जाकर उसके साथ लग गया।

वो पहले माले पर रहता था.. इसलिए थोड़ी और दिक्कत हुई।

वो सामान लाकर दरवाज़े पर रख देता और मैं उसे नीचे गाड़ी में रख देता।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

तभी मैंने अब्दुल की बीवी को पहली बार ठीक से देखा।

क्या माल थी वो.. मैं तो उस वक़्त यही सोचने लगा कि ये अब्दुल के गले कैसे पड़ गई।

उसका नाम आयशा था.. वो दिखने में किसी हीरोइन से कम नहीं थी और उसके फिगर का तो पूछना ही क्या..

जैसा कि मैं बता चुका हूँ कि उसकी एक साल पहले ही शादी हुई है और वो भी लव-मैरिज हुई थी।

तो उस दिन सामान शिफ्ट करने में.. हम दोनों ने एक-दूसरे को कई बार देखा।

मेरा अभी तक उसके साथ कुछ गलत करने का मन नहीं था.. पर उस दिन काम करते-करते हमें रात हो गई।
मैं एक बजे घर आ गया।

अब्दुल एक कंपनी में काम करता है.. जिसकी वजह से उसे हर हफ्ते 2-3 दिन के लिए दिल्ली या नॉएडा जाना पड़ता था।

उस दिन भी यही हुआ.. उसे शिफ्ट हुए एक ही दिन हुआ था कि उसे दिल्ली निकलना पड़ा।

अब्दुल सुबह 6 बजे ही दिल्ली के लिए निकल गया और करीब 8 बजे उसका मुझे कॉल आया कि वो दिल्ली जा रहा है और मैं उसके नए घर जा कर देख लूँ.. आयशा को किसी चीज़ की कोई दिक्कत तो नहीं और आयशा भाभी से पूछ लूँ कि कुछ सामान वगैरह तो नहीं मंगाना है।

मैंने अब्दुल से 'हाँ' कर दी और उसके घर चला गया।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

इस बार फिर अब्दुल को घर पहले माले पर ही मिला, इसलिए घर की घन्टी बजाने की जरूरत नहीं पड़ी.. क्योंकि नीचे मकान-मालिक रहते थे तो मैं सीधा ऊपर ही चला गया।

मैं ऊपर पहुँचा तो देखा भाभी नहा कर अपने कपड़े सुखाने के लिए फैला रही थी और उसके एक हाथ में ब्रा और पेंटी थी।

मैंने भाभी को आवाज़ लगाई तो भाभी एकदम चौक गई और ब्रा और पेंटी को एक कपड़े से छुपा लिया।

अब मुझसे भी कण्ट्रोल नहीं हो रहा था, लेकिन मैंने अपने आप को संभालते हुए बोला- मुझे अब्दुल ने भेजा है.. आपको किसी चीज़ की ज़रूरत हो, तो मुझे बता दो.. मैं ला दूँगा।

तो भाभी ने कहा- अभी तो किसी चीज़ की ज़रुरत नहीं है।

तो मैंने अपना मोबाइल नंबर भाभी को दे दिया और कहा- कोई काम हो.. तो मुझे कॉल कर लेना।

फिर एक महीने तक तो ऐसा ही चलता रहा।

मैं उसके घर भी आता-जाता रहता और भाभी को पटाने के मौके भी तलाश करता रहता.. लेकिन कुछ बात न बनी।

फिर आखिर वो पल आ ही गया।
अब्दुल को एक साल के लिए बाहर जाना पड़ा।

अब्दुल के बाहर जाते ही अब तो मेरा उसके घर भी आना-जाना खत्म सा हो गया।
दो महीने गुज़र गए थे।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

एक दिन मैं अपने दोस्तों के साथ क्रिकेट खेल रहा था कि तभी मेरा मोबाइल बजा।
मैंने फ़ोन उठाया तो एक लड़की बोली।

मैंने पूछा- कौन बोल रहा है ?

तो वो बोली- पहचानो।

कुछ देर बाद मैं पहचान गया कि ये और कोई नहीं बल्कि आयशा भाभी ही हैं।

फिर हमारी काफी देर बात हुई।

मैं अब समझ चुका था कि आयशा भाभी मुझे क्यूँ फ़ोन कर रही हैं। दो महीने हो चुके थे उन्हें लौड़े का स्वाद चखे.. तो अब खुजली तो होगी ही।

खैर कुछ दिन तो हमारी हल्की-फुल्की बात हुई.. फिर भाभी मुझे रात में भी कॉल करने लगीं और हमारी पूरी-पूरी रात बात होती रहती।
अब मेरे सब्र का बाँध टूटने लगा।

एक महीने तक हम बात करते रहे.. फिर एक रात भाभी ने मुझे प्रपोज कर दिया…

मैं तो हैरान रह गया।

अब मैं कहाँ सब्र करने वाला था.. रात के 2 बजे थे.. मैंने भाभी से कहा- मैं आपके घर आ रहा हूँ।

तो भाभी ने कहा- मैं तो कब से तुम्हारा इंतज़ार कर रही हूँ…

मैंने जल्दी से अपनी गाड़ी उठाई और भाभी के घर चल दिया।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

जब मैं भाभी के घर पहुँचा तो सब दरवाज़े बंद थे.. मैं दीवार फान्द कर ज़ीने से ऊपर चला गया।

फिर मैंने भाभी का दरवाज़ा खटखटाया.. तो भाभी ने धीरे से दरवाज़ा खोला और मुझे अन्दर खींच लिया।

उस वक़्त भाभी ने पीला लूज टॉप और ब्लैक सलवार पहनी हुई थी।

भाभी को तो कुछ देर तक यकीन ही नहीं हो रहा था कि मैं उनके सामने बैठा हूँ। फिर हमने कुछ देर इधर-उधर की बात करते रहे..
मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं कहाँ से शुरू करूँ।

मैंने तो सोच लिया था कि आज कुछ नहीं होगा..

थोड़ी देर में वापस चल दूँगा कि तभी भाभी ने मुझसे कहा- अगर मैं तुम्हें चुम्बन करूँ तो तुम अब्दुल को या किसी को कुछ बताओगे तो नहीं ?

ये सुनना था कि मैं तो मानो सातवें आसमान पर पहुँच गया।

मैंने झट से कहा- मैं तो नहीं बताऊँगा.. बस तुम भी किसी से न बताना।

इतना सुनते ही भाभी मेरे करीब आई और अपने होंठ मेरे होंठ से मिला दिए।

मैं तो पागल सा हो गया था।

हम लोगों ने दो मिनट तक चुम्बन किया.. फिर बैठ गए।

मुझे लगा कि भाभी इसके आगे कुछ नहीं करेंगी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

लेकिन मैं भी अब कहाँ रुकने वाला था.. मैंने भाभी को पकड़ा और चुम्बन करना शुरू कर दिया और दस मिनट तक चुम्बन करता रहा।

भाभी भी पागल सी होने लगी थी.. मेरी पूरी जीभ अपने मुँह में ले ली.. अब भाभी को भी मजा आने लगा था।

चुम्बन करते-करते मैंने अपने शर्ट निकाल दी और भाभी का टॉप धीरे-धीरे उठाने लगा।

भाभी भी गरम हो रही थी.. मैंने एक झटके में भाभी का टॉप उतार दिया।

भाभी ने काली ब्रा अन्दर पहन रखी थी.. भाभी उस वक़्त क्या कमाल की लग रही थी…

मैं तो देखता ही रह गया।

फिर मैं भाभी को चुम्बन करते-करते मम्मों को दबाने लगा और धीरे-धीरे उसकी सलवार उतारने लगा।

पहले तो भाभी ने मुझे मना किया.. तो मैंने भाभी को चुम्बन किया और आँखों में आँख डाल कर देखने लगा और फिर धीरे-धीरे पूरी सलवार उतार दी।

अब भाभी मेरे सामने सिर्फ ब्रा और पेंटी में थी और मैं सिर्फ जीन्स में था।

मैं भाभी को चुम्बन कर ही रहा था कि भाभी ने धीरे से मेरी जीन्स का बटन खोल दिया। मैंने भी देर न करते हुए अपनी जीन्स उतार दी।

अब मैं सिर्फ अंडरवियर में था और भाभी ब्रा- पेंटी में थी।

हम दोनों एक-दूसरे से लिपटे हुए चुम्बन कर रहे थे।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अब मैंने भाभी की ब्रा को खोल दिया और उनकी बड़ी-बड़ी चूचियाँ मेरे हाथों में थी।

मैं उन्हें चूसने लगा और चूसते-चूसते उनकी पेंटी भी उतार दी।

मैं भाभी को पागलों की तरह चूमने लगा और भाभी भी मचलने लगी।

फिर मैंने भाभी की टाँगें फैला कर चूत को देखा तो एकदम गुलाबी चूत.. एक भी बाल नहीं.. ऐसा लग रहा था जैसे आज ही बाल बनाए हों।

मैंने चूत आगे की और चूमना शुरू कर दिया.. तभी भाभी के मुँह से ‘अह्ह अह्हह अह्ह अह्ह्ह… उम्म अम्म… उम्म..’ सीत्कार निकलने लगी।

भाभी बहुत बुरी तरह से तड़पने लगी थी, लेकिन मैं अपने काम में लगा रहा।

फिर मैंने भाभी को अपने ऊपर कर लिया और हम 69 की अवस्था में हो गए और 15 मिनट तक ऐसे ही करते रहे।

मैं भाभी की चूत चाट रहा था और भाभी मेरा लण्ड चूस रही थी।

अब मुझसे बर्दाश्त नहीं हो रहा था, मैंने भाभी को बेड पर लेटाया और अपना लौड़ा भाभी की चूत पर टिका दिया और भाभी को चुम्बन करने लगा।

चुम्बन करते-करते मैंने एकदम लौड़ा भाभी की चूत में घुसेड़ दिया.. आधा ही लौड़ा घुसा था कि भाभी इतनी जोर से चिल्लाई कि मैं डर गया।

भाभी दर्द के मारे तड़पने लगी और कहने लगी- निकालो.. वरना मैं मर जाऊँगी।

इससे मुझे पता चल गया कि अब्दुल का लौड़ा बहुत छोटा होगा.. तभी अपनी बीवी को

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

वो मजा नहीं दे सका.. जो मैं दे रहा हूँ।

फिर मैं थोड़ी देर भाभी को चुम्बन करता रहा और फिर थोड़ा समझा कर अपना लौड़ा भाभी की चूत में घुसेड़ दिया।

भाभी फिर चिल्लाई- आह्ह.. आह्हह ..उह्म्म अम्म..

लेकिन मैं और अन्दर डालता रहा.. यहाँ तक मेरा पूरा लौड़ा भाभी की चूत में समा गया। फिर मैंने धक्का लगाना शुरू किया और दस मिनट तक भाभी की चुदाई करने के बाद भाभी को भी मजा आने लगा।

अब भाभी भी मेरा खुल कर साथ दे रही थी।

भाभी की चिकनी और टाइट चूत मारने में जो मजा आ रहा था.. वो मैं बता नहीं सकता…

भाभी भी खूब मज़े लेकर चुदवा रही थी और मुझे अपनी बाँहों में जकड़े हुए थी। करीब 20 मिनट तक हमने खूब ज़बरदस्त चुदाई की और फिर मैं भाभी के अन्दर ही झड़ गया। भाभी भी झड़ चुकी थी।

हम दोनों कुछ देर एक-दूसरे से लिपटे पड़े रहे और चुम्बन करते रहे।

उस रात हमने 4 बार चुदाई की और मैंने अलग-अलग आसनों में भाभी की चुदाई की। फिर सुबह मैं अपने घर चल दिया।

वो दिन मेरी ज़िन्दगी का सबसे अच्छा दिन था.. उसके बाद मैंने कई बार भाभी की चुदाई की.. भाभी भी मुझसे बहुत खुश थी और फिर कुछ महीनों बाद अब्दुल भी आ गया और उसका ट्रान्सफर दिल्ली में ही हो गया।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अब मेरी और भाभी की बात भी नहीं होती। अब्दुल और भाभी दोनों दिल्ली में खुशी से रहते हैं।

आप सब को मेरी और आयशा भाभी की चुदाई की कहानी कैसी लगी, मुझे मेल करें।
aatifkhan238@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Delhi Sex Chat

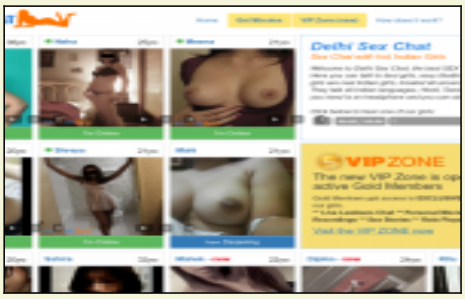

Are you in a sexual mood to have a chat with hot chicks? Then, these hot new babes from DelhiSexChat will definitely arouse your mood.

Urdu Sex Videos

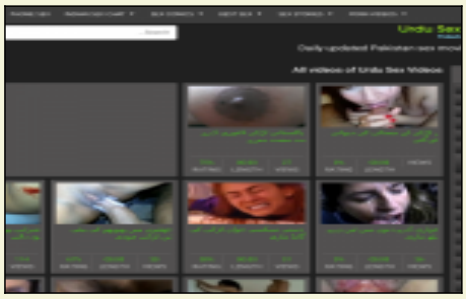

Daily updated Pakistani sex movies and sex videos.

Pinay Sex Stories

Araw-araw may bagong sex story at mga pantasya.

Tamil Kamaveri

சூடு ஏத்தும் தமிழ் செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் லெஸ்பியன் கதைகள் , தமிழ் குடும்ப செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் ஆண் ஓரின சேர்க்கை கதைகள் , தமிழ் கள்ள காதல் செக்ஸ் கதைகள் , படிக்க எங்கள் தமிழ்காமவெறி தளத்தை விசிட் செய்யவும் . மேலும் நீங்கள் உங்கள் கதைகளை பதிவு செய்யலாம் மற்றும் செக்ஸ் சந்தேகம் சம்பந்தமான செய்திகளும் படிக்கலாம்

Savita Bhabhi Movie

Savita Bhabhi Movie is India's first ever animated movie. It takes us a on a journey thru time, a lot of super hot sex scenes and Savita Bhabhi's mission to bring down a corrupt minister planning to put internet censorship on the people.

Desi Tales

Indian Sex Stories, Erotic Stories from India.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire